Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
18 December

Quote of the Day

Result Mitra

सफलता जिस ताले में बंद रहती है..
वह दो चाबियों से खुलती है...
एक कठिन परिश्रम और
दूसरा दृढ़ संकल्प...

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

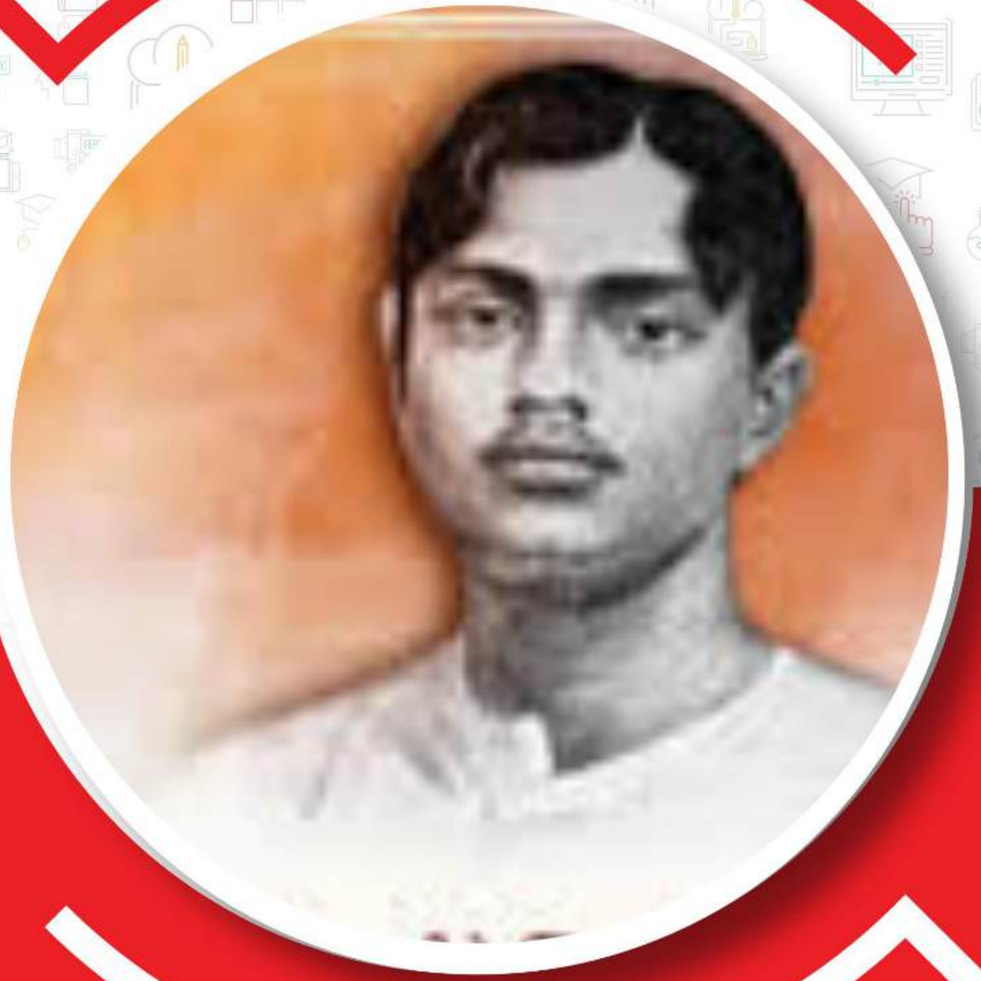

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

चर्चा में क्यों?

- राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को काकोरी कांड में भूमिका के कारण 17 दिसंबर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। उनकी शहादत ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांतिकारी संघर्ष की मिसाल बनी, लेकिन स्मारक विकास आज भी उपेक्षित है।

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

प्रमुख बिंदु:

- राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसंबर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई, जबकि उनकी फांसी की तय तारीख 19 दिसंबर थी।
- अंग्रेजों ने अंदेशा जताया कि क्रांतिकारी जेल पर हमला कर उन्हें छुड़ा सकते हैं, इसलिए जल्दबाजी में फांसी दी गई।

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

प्रमुख बिंदु:

- लाहिड़ी, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खां और रोशन सिंह ने 9 अगस्त 1925 को काकोरी ट्रेन डकैती के तहत अंग्रेजों का खजाना लूटा था।
- इस ऑपरेशन से अंग्रेजों का सिंहासन हिल गया; ₹4,601 की लूट पर अंग्रेज सरकार ने जांच पर ₹10 लाख खर्च किए।

अंग्रेजो का खजाना

4601

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

प्रमुख बिंदु:

- लाहिड़ी ने ट्रेन की चेन खींचकर उसे रोका, और क्रांतिकारियों ने ऑपरेशन को सफल बनाया।
- लाहिड़ी को सूबेदार बरबंड सिंह का गला पकड़ने पर थप्पड़ मारने के कारण जनता में हीरो का दर्जा मिला।
- उन्होंने शहादत से पहले अपने पत्र में लिखा- "देश की बलिवेदी को हमारे रक्त की आवश्यकता है।"

देश की बलिवेदी को हमारे रक्त की आवश्यकता है

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

प्रमुख बिंदु:

- फांसी से कुछ घंटे पहले भी उन्होंने व्यायाम किया, कहा- "व्यायाम मेरा नित्य का नियम है, मृत्यु का भय इसे बदल नहीं सकता।"
- लाहिड़ी का अंतिम संस्कार टेढ़ी नदी के किनारे गुपचुप तरीके से किया गया, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

प्रमुख बिंदु:

- क्रांतिकारी समर्थकों ने अंत्येष्टि स्थल पर स्मारक बनाने की कोशिश की, लेकिन अनुमति नहीं मिली।
- पहचान बनाए रखने के लिए उस जगह एक बोतल गाड़ दी गई थी, जिसे बाद में उखाड़ दिया गया।

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

प्रमुख बिंदु:

- क्रांतिकारी मणींद्रनाथ बनर्जी ने लाहिड़ी की शहादत का बदला लेने के लिए अंग्रेजों के मुखबिर जितेंद्र बनर्जी को वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गोली मारी।
- जेल में लाहिड़ी को समर्पित फांसीघर और कालकोठरी सुरक्षित रखी गई हैं; शहादत दिवस पर उन्हें आम जनता के दर्शनार्थ खोला जाता है।

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

प्रमुख बिंदु:

- लाहिड़ी का जन्म बंगाल के पाबना जिले में हुआ था, जो अब बांग्लादेश में है।
- उनके पिता क्षितिमोहन शर्मा और बड़े भाई बंगाल के अनुशीलन दल से जुड़े थे और जेल में थे।
- लाहिड़ी की शिक्षा वाराणसी में हुई; वे काशी हिंदू विश्वविद्यालय में इतिहास विषय के एमए प्रथम वर्ष के छात्र थे।

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

प्रमुख बिंदु:

- उनका संपर्क क्रांतिकारी शचीन्द्रनाथ सान्याल से हुआ, जिसके बाद वे क्रांतिकारी आंदोलन में सक्रिय हुए।
- लाहिड़ी की शहादत के बाद गोंडा जेल में किसी और कैदी को फांसी नहीं दी गई।

Result Mitra

राजेंद्रनाथ लाहिड़ी

प्रमुख बिंदु:

- गोंडा जेल का सौंदर्यीकरण और शहादत स्थलों के विकास में क्रांतिकारी चेतना के साथ न्याय नहीं हुआ।
- शहादत दिवस पर आयोजित समारोह नेताओं और अधिकारियों की घोषणाओं का मंच बनकर रह जाता है।

राजेंद्र लाहिड़ी के बारे में

- राजेंद्र लाहिड़ी का जन्म 23 जून 1901 को बंगाल प्रेसीडेंसी के पाबना जिले (वर्तमान बांग्लादेश) के मोहनपुर गांव में हुआ था।
- उन्होंने अपनी शिक्षा बनारस में पूरी की और वहाँ से एमए की पढ़ाई की।
- छात्र जीवन में ही वे ब्रिटिश सरकार के खिलाफ क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल हो गए।

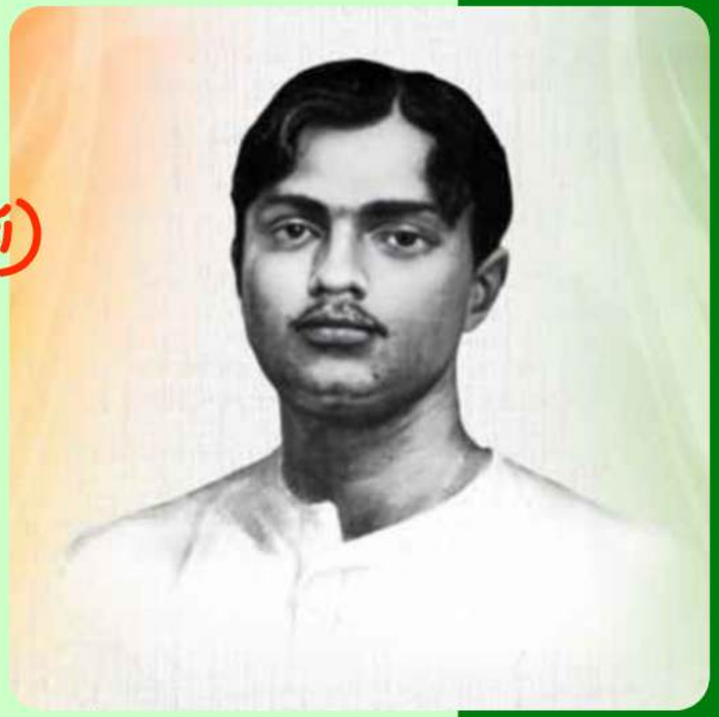

राजेंद्र लाहिड़ी के बारे में

- उन्होंने दक्षिणेश्वर बमकांड में हिस्सा लिया और इसके बाद फरार हो गए।
- बनारस में अपने दोस्तों के साथ वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) से जुड़ गए।
- इस संगठन की स्थापना भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और अन्य क्रांतिकारियों ने की थी।

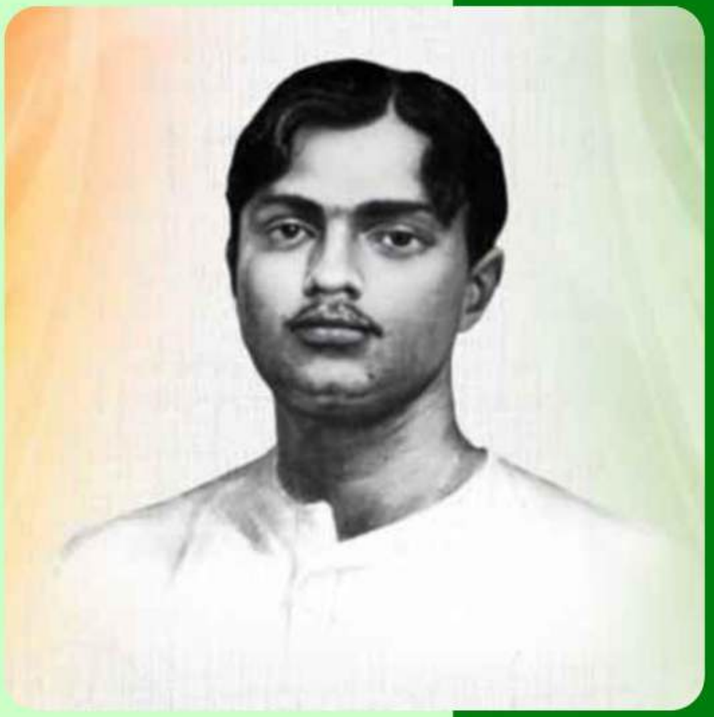

Result Mitra

राजेंद्र लाहिड़ी के बारे में

- 9 अगस्त 1925 को उन्होंने लखनऊ के पास काकोरी में ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने वाली ट्रेन डकैती में हिस्सा लिया।
- यह घटना काकोरी कांड के नाम से प्रसिद्ध हुई।
- इस दौरान ट्रेन में एक यात्री की गलती से गोली लगने से मौत हो गई, जिससे यह मामला हत्या केस बन गया।
- काकोरी कांड के सिलसिले में 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

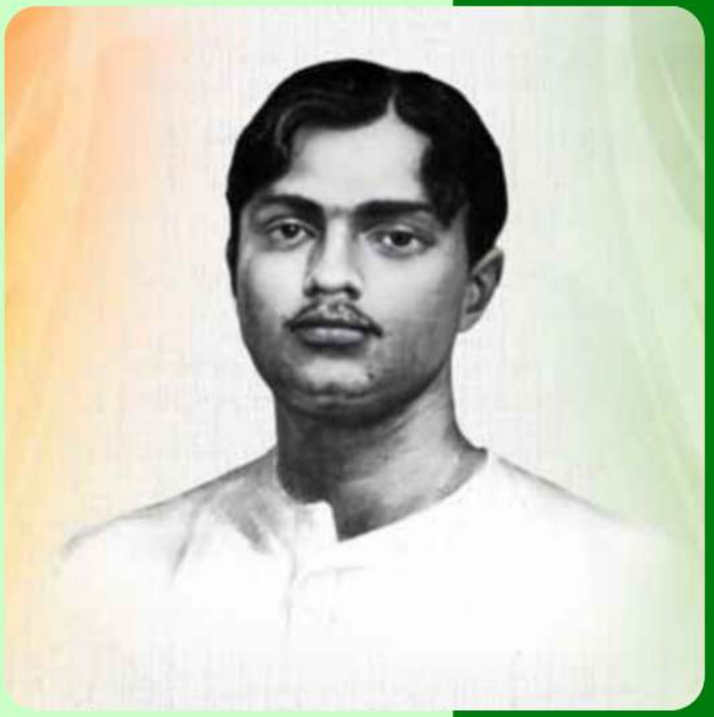

राजेंद्र लाहिड़ी के बारे में

- लाहिड़ी को दक्षिणेश्वर बमकांड के लिए पहले ही 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी।
- काकोरी केस के ट्रायल में उन्हें भी शामिल किया गया और उन्हें मृत्युदंड दिया गया।
- उनके साथ तीन अन्य क्रांतिकारियों को भी फांसी की सजा दी गई - रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खां और ठाकुर रोशन सिंह।

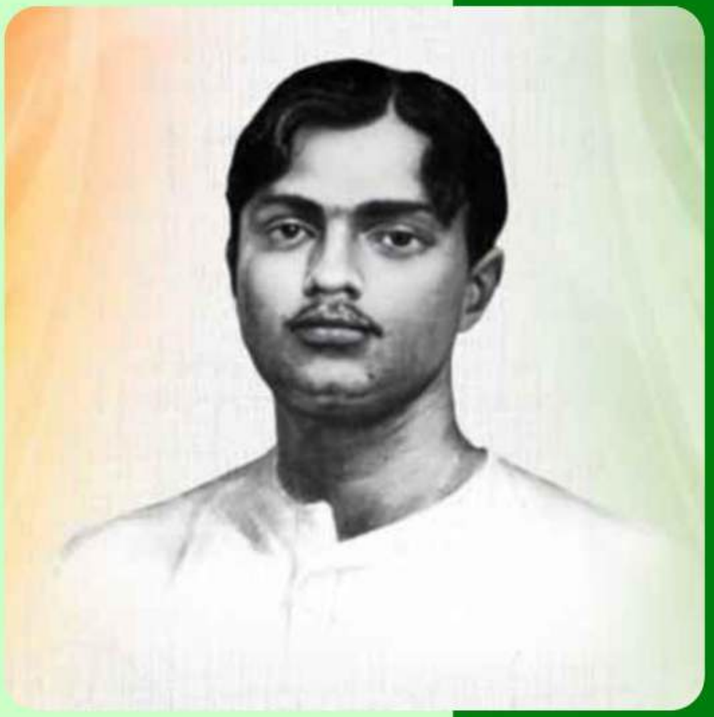

Result Mitra

राजेंद्र लाहिड़ी के बारे में

- राजेंद्र लाहिड़ी को 17 दिसंबर 1927 को गोंडा जेल (उत्तर प्रदेश) में फांसी दी गई।
- यह फांसी निर्धारित तारीख से दो दिन पहले दी गई।
- फांसी के समय वे केवल 26 वर्ष के थे।

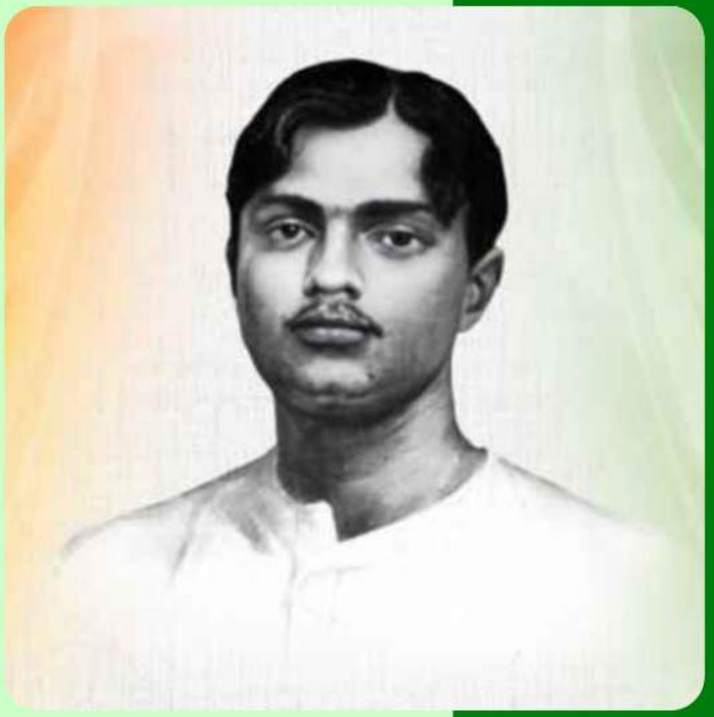

Result Mitra

राजेंद्र लाहिड़ी के बारे में

- संयोगवश, इसी दिन भगत सिंह और राजगुरु ने ब्रिटिश अधिकारी ASP जॉन सॉन्डर्स को गोली मारी थी, जिन्हें उन्होंने जेम्स स्कॉट समझ लिया था।
- स्कॉट के आदेश पर लाला लाजपत राय पर लाठीचार्ज हुआ था, जिसके चलते उनकी मृत्यु हो गई थी।

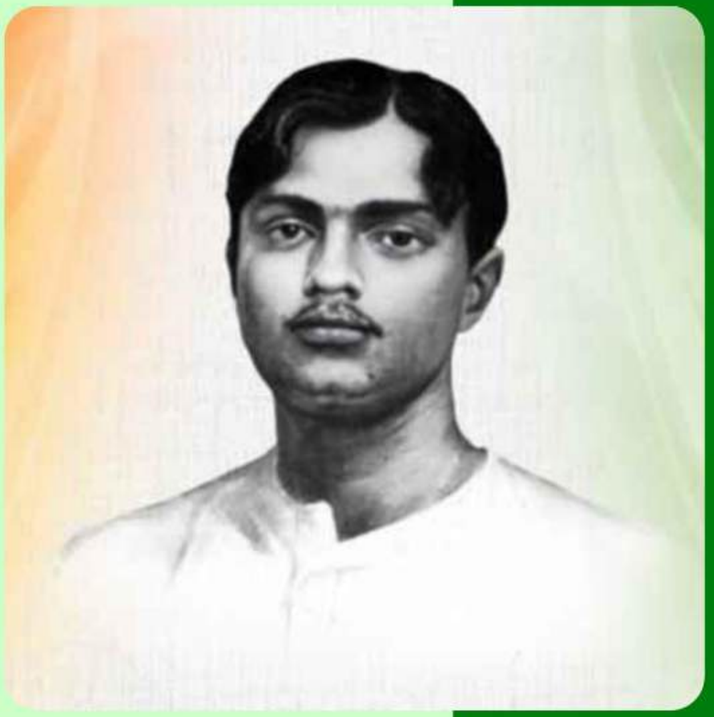

Result Mitra

काकोरी ट्रेन

- काकोरी कांड, जिसे काकोरी ट्रेन डकैती भी कहा जाता है, 9 अगस्त 1925 को हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) द्वारा अंजाम दिया गया।
- इसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटकर क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाना था।

Result Mitra

काकोरी ट्रेन

पृष्ठभूमि:

- 1920 के दशक में गांधीजी के नेतृत्व में अहिंसक आंदोलन से असंतुष्ट युवा राष्ट्रवादी क्रांतिकारी तरीकों की ओर बढ़ने लगे।
- HRA ने ब्रिटिश सरकार के वित्तीय संसाधनों को कमजोर करने के लिए सरकारी धन लूटने की योजना बनाई।

काकोरी ट्रेन

घटना:

- 9 अगस्त 1925 को शाहजहांपुर से लखनऊ जा रही ट्रेन के पास काकोरी गांव में राजेंद्र लाहिड़ी ने चेन खींचकर ट्रेन रोकी।
- क्रांतिकारियों ने गार्ड को काबू में करके खजाने के बैग लूटे, जिसमें लगभग ₹8,000 की राशि थी।
- लूट के बाद क्रांतिकारी लखनऊ की ओर भाग निकले।

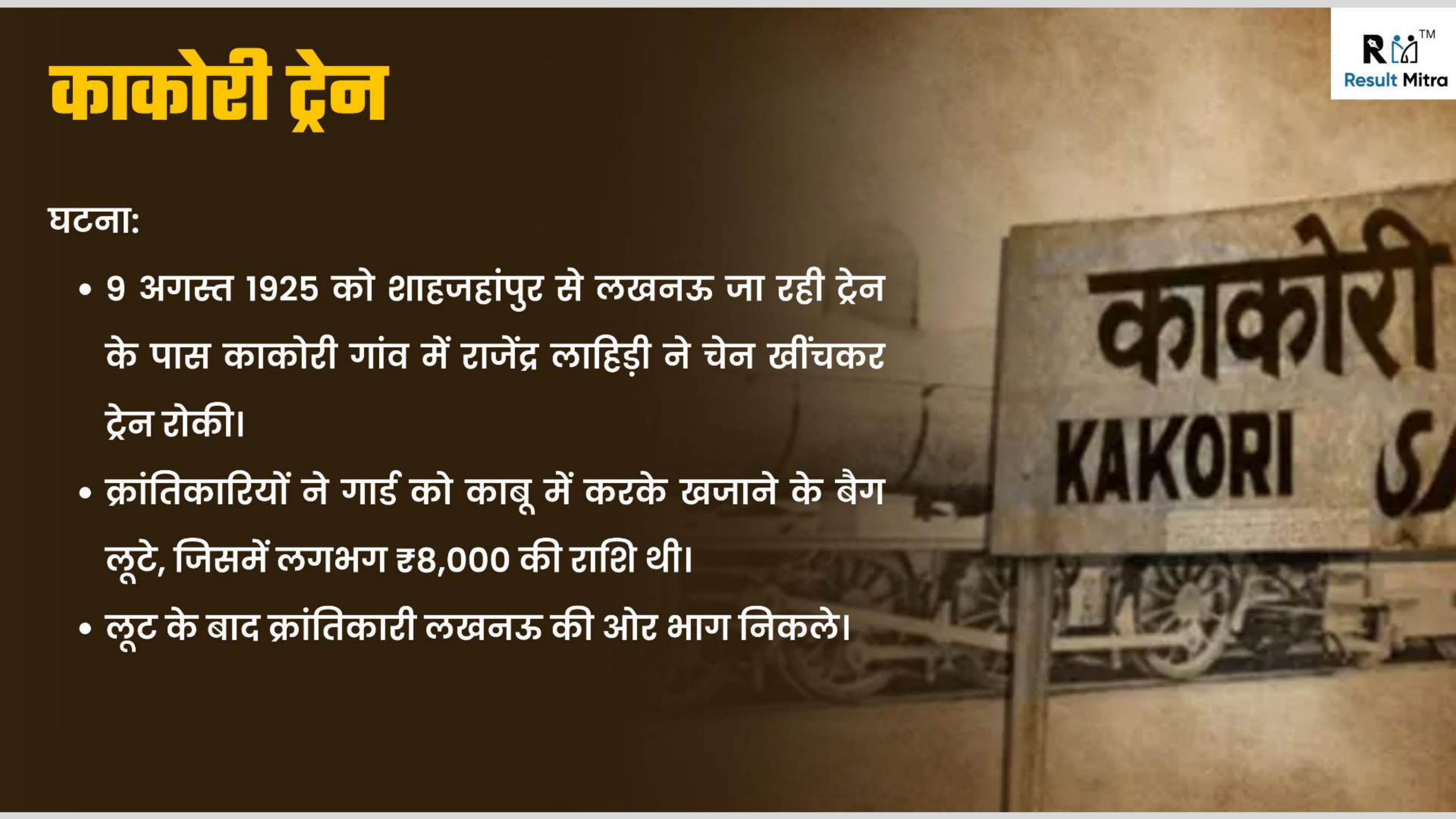

Result Mitra

काकोरी ट्रेन

ट्रायल और गिरफ्तारी:

- ब्रिटिश सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए जांच अभियान चलाया और लगभग सभी क्रांतिकारी गिरफ्तार किए गए।

प्रमुख गिरफ्तार क्रांतिकारी:

- रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खां, राजेंद्र लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह।
- चंद्रशेखर आजाद गिरफ्तारी से बच निकले।

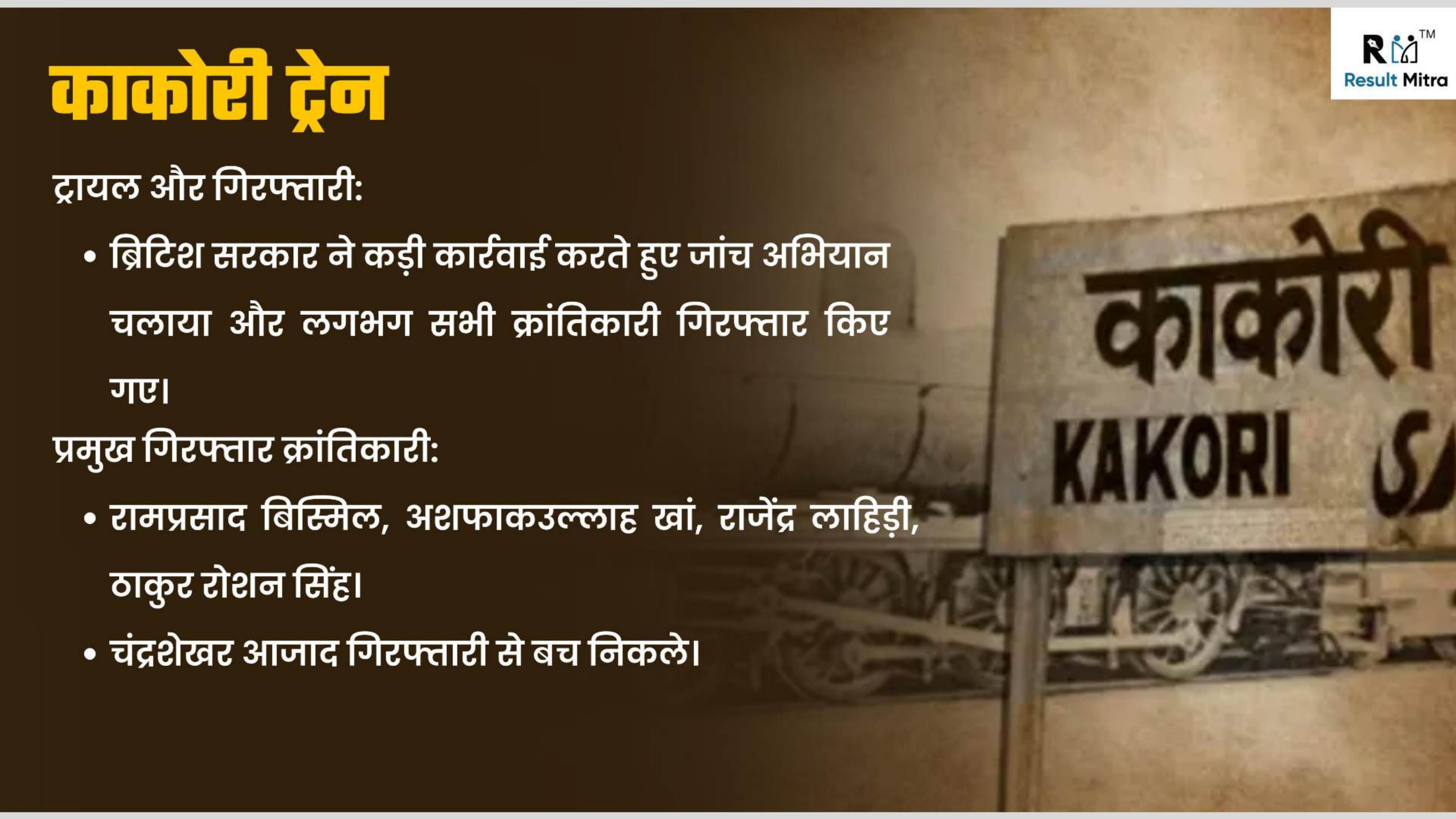

Result Mitra

काकोरी ट्रेन

ट्रायल के दौरान चार क्रांतिकारियों को मृत्युदंड दिया गया:

- रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खां, राजेंद्र लाहिड़ी, और रोशन सिंह।
- अन्य क्रांतिकारियों को काला पानी और आजीवन कारावास जैसी कड़ी सजा सुनाई गई।

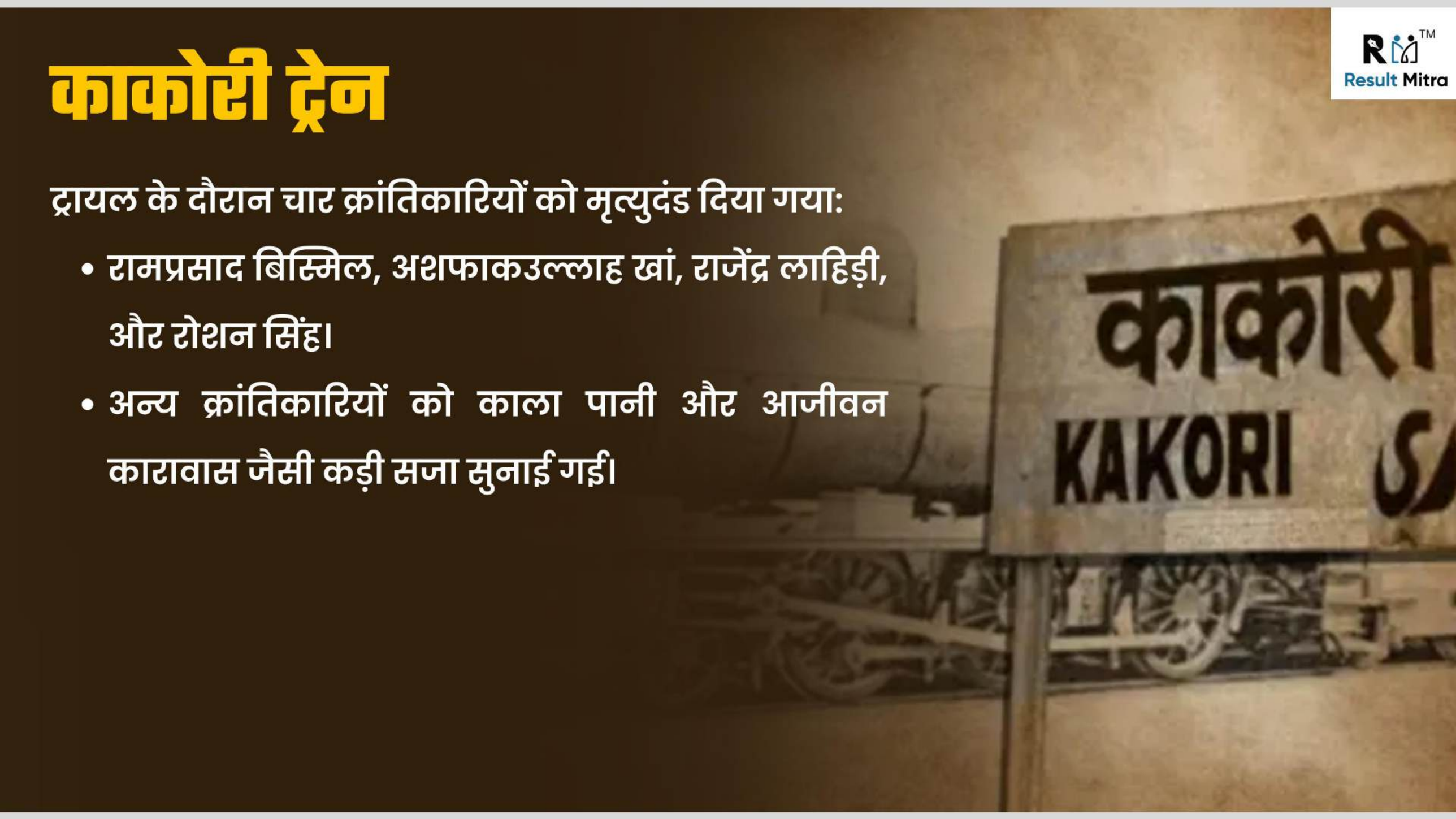

Result Mitra

काकोरी ट्रेन

प्रभाव:

- इस घटना ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा भरी।
- रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खां, और राजेंद्र लाहिड़ी की शहादत ने उन्हें शहीद बना दिया।
- इस घटना से भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों को प्रेरणा मिली

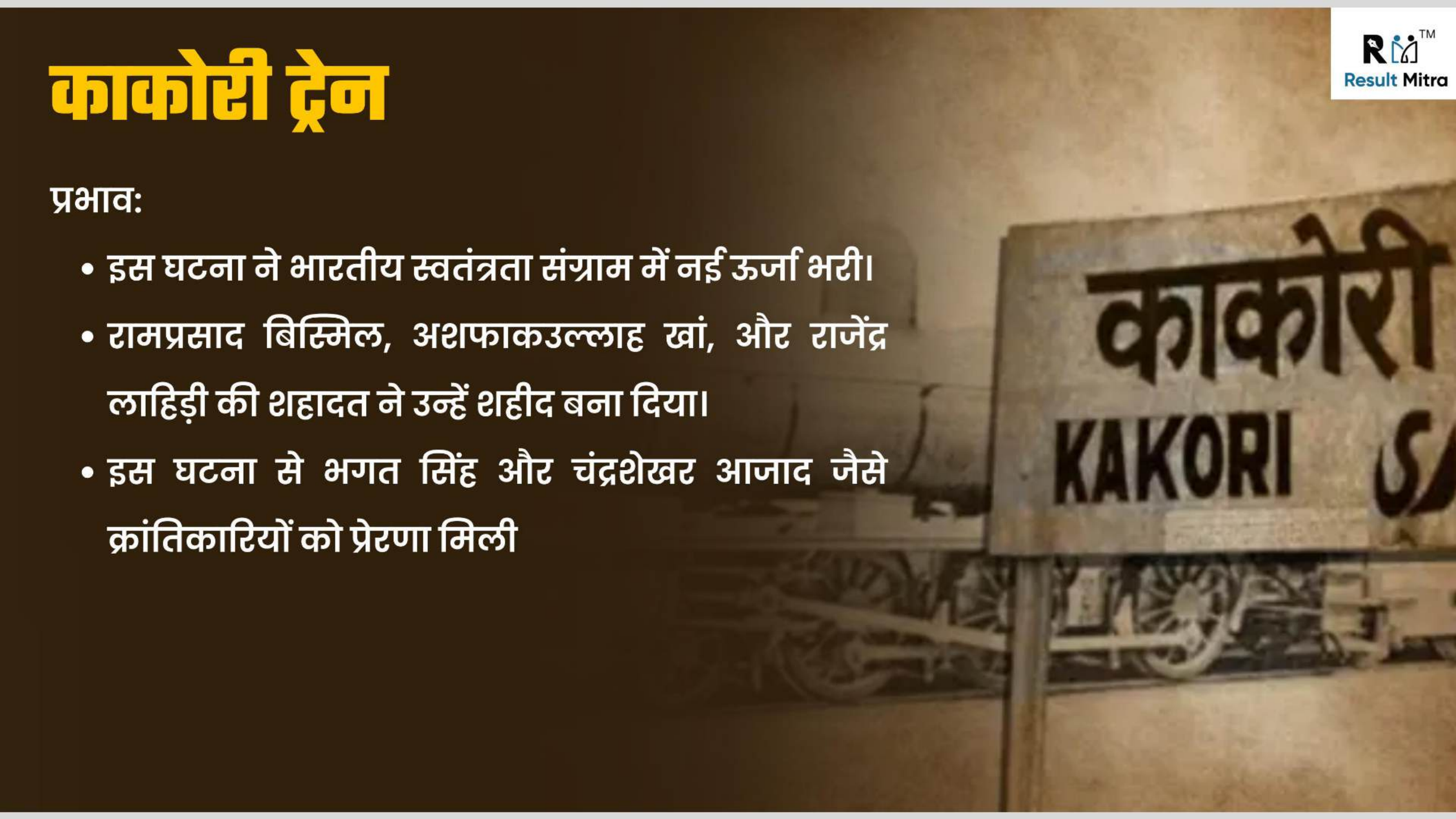

Result Mitra

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान (ICMR)

NDRF

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

चर्चा में क्यों?

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) और MDRF ने चेन्नई में पहला डायबिटीज बायोबैंक स्थापित किया, जो मधुमेह के प्रकारों के अध्ययन के लिए जैविक नमूनों का भंडारण करेगा, जिससे निदान, उपचार और रोकथाम के उन्नत उपाय संभव होंगे।

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) और मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (MDRF) ने देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक स्थापित किया है।
- यह चेन्नई में स्थित है और इसका उद्देश्य मधुमेह और अन्य संबंधित विकारों पर उन्नत शोध को बढ़ावा देना है।

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

प्रमुख बिंदु:

- बायोबैंक में जैविक नमूनों का संग्रह, प्रसंस्करण, भंडारण और वितरण किया जाएगा ताकि वैज्ञानिक अध्ययन में मदद मिल सके।
- MDRF के चेयरमैन डॉ. वी. मोहन के अनुसार, बायोबैंक की स्थापना की प्रक्रिया कुछ वर्ष पहले शुरू हुई थी।

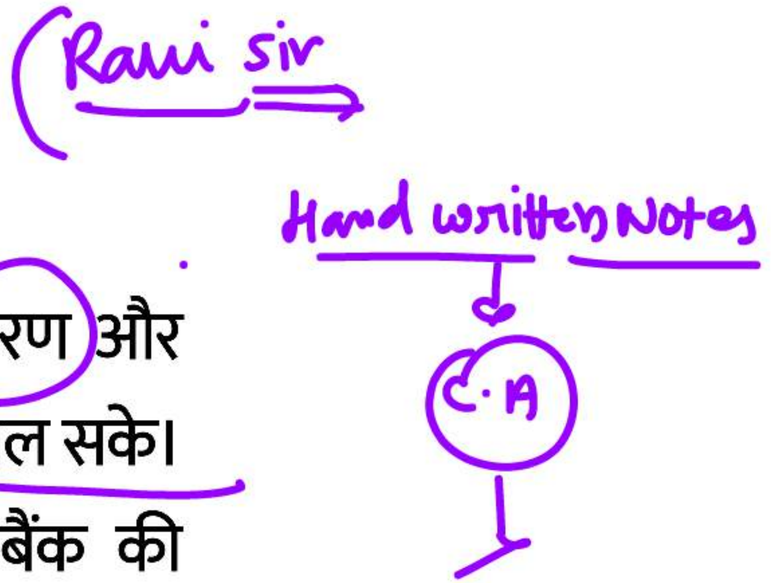

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

प्रमुख बिंदु:

- इसमें टाइप 1 डायबिटीज, टाइप 2 डायबिटीज और गर्भकालीन मधुमेह जैसी विभिन्न प्रकार की स्थितियों के रक्त के नमूने संग्रहीत किए गए हैं।
- इस बायोबैंक के उद्देश्य और विवरण को हाल ही में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान पत्रिका में प्रकाशित किया गया।

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

प्रमुख बिंदु:

- विश्व की कुल डायबिटीज आबादी का चौथाई हिस्सा भारत में पाया जाता है।
- बायोबैंक जैविक नमूनों को संग्रहीत कर अनुसंधान में मदद करता है और यह नई बायोमार्कर्स की पहचान में सहायक होगा।

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

प्रमुख बिंदु:

- यह मधुमेह के प्रारंभिक निदान और व्यक्तिगत उपचार रणनीतियों के विकास में मदद करेगा।
- इसके माध्यम से मधुमेह के विकास और जटिलताओं पर दीर्घकालिक अध्ययन संभव होंगे।

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

प्रमुख बिंदु:

- सरकार द्वारा एक राष्ट्रीय अध्ययन में 1.2 लाख लोगों के सैंपल लिए गए थे, जिसमें 2008 से 2020 के बीच 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 33,537 शहरी और 79,506 ग्रामीण निवासियों को शामिल किया गया।

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

प्रमुख बिंदु:

- इस अध्ययन में भारत में डायबिटीज और अन्य गैर-संचारी बीमारियों में वृद्धि दर्ज की गई।
- ICMR के यंग डायबिटीज रजिस्ट्री से भी बायोबैंक में रक्त के नमूने संग्रहीत किए गए हैं।

Result Mitra

देश का पहला डायबिटीज बायोबैंक

प्रमुख बिंदु:

- इसमें भारतीयों के टाइप 1 डायबिटीज, युवाओं में टाइप 2 डायबिटीज और गर्भकालीन मधुमेह के विशिष्ट लक्षणों को दर्ज किया गया है।
- यह बायोबैंक अनूठे क्लीनिकल शोध के लिए एक उपजाऊ मंच साबित होगा, जिससे बेहतर प्रबंधन और रोकथाम रणनीतियाँ विकसित की जा सकेंगी।

मधुमेह

- मधुमेह एक बीमारी है, जिसमें अग्न्याशय इंसुलिन नहीं बना पाता या शरीर इसे सही तरीके से उपयोग नहीं कर पाता।
- इंसुलिन एक हार्मोन है जो रक्त में ग्लूकोज को नियंत्रित करता है।
- उच्च रक्त शर्करा (हाइपरग्लाइसीमिया) लंबे समय में विभिन्न अंगों और ऊतकों को नुकसान पहुँचाती है।
- यह अंधापन, किडनी फेल्योर, दिल का दौरा, स्ट्रोक और अंग विच्छेदन का मुख्य कारण है।

मधुमेह

मधुमेह के प्रकार

टाइप 1 मधुमेह:

- यह तब होता है जब प्रतिरक्षा तंत्र अग्न्याशय की इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं को नष्ट कर देता है।
- बच्चों और युवाओं में अधिक पाया जाता है।
- लक्षण: बार-बार पेशाब आना, प्यास लगना, भूख, वजन घटना, थकान और दृष्टि में बदलाव।

Result Mitra

मधुमेह

मधुमेह के प्रकार

टाइप 2 मधुमेह:

- यह शरीर में इंसुलिन के अप्रभावी उपयोग के कारण होता है।
- 95% मधुमेह के मामलों में यह टाइप होता है।
- मुख्य कारण: मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता।

Result Mitra

मधुमेह

मधुमेह के प्रकार

गर्भकालीन मधुमेह (GDM):

- गर्भविस्था के दौरान उच्च रक्त शर्करा की स्थिति।
- माँ और बच्चे दोनों में भविष्य में टाइप 2 मधुमेह का खतरा बढ़ता है।

Result Mitra

भारत सरकार की पहलें

- राष्ट्रीय मधुमेह नीति (2017): 2025 तक मधुमेह की दर 20% कम करने का लक्ष्य।
- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY): 500 मिलियन लोगों के लिए मुफ्त इलाज।
- जागरूकता अभियान: प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार।

Result Mitra

भारत सरकार की पहलें

- FSSAI: स्वस्थ खानपान को बढ़ावा देता है।
- फिट इंडिया मूवमेंट और योग: स्वास्थ्य मंत्रालय और AYUSH मंत्रालय द्वारा पहल।
- NCD नियंत्रण कार्यक्रम: 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की स्क्रीनिंग और रजिस्टर बनाने की योजना।

Result Mitra

भारत में मधुमेह की स्थिति

- भारत विश्व में मधुमेह रोगियों की संख्या में दूसरे स्थान पर है।
- 77 मिलियन लोग मधुमेह से ग्रस्त और 25 मिलियन लोग प्री-डायबिटिक हैं।
- 2009 में 7.1% से बढ़कर 2019 में यह 8.9% हो गई।
- 2030 तक भारत में मधुमेह रोगियों की संख्या 100 मिलियन पहुँचने का अनुमान है।

Result Mitra

भारत में मधुमेह की स्थिति

ICMR और MDRF अध्ययन के अनुसार

- भारत की 11.4% आबादी (10.13 करोड़ लोग) मधुमेह से ग्रस्त है।
- 5.3% (13.6 करोड़ लोग) प्री-डायबिटिक हैं।
- 28.6% लोग मोटापे की श्रेणी में आते हैं।
- भारत में मधुमेह अधिकतर 45-64 वर्ष की आयु में देखा जा रहा है।

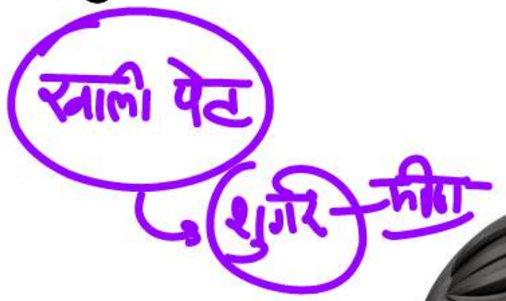

Result Mitra

ICMR के बारे में

- ICMR भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित है और यह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा विभाग (DHS) के अंतर्गत काम करता है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- ICMR न तो एक वैधानिक निकाय है और न ही एक नियामक निकाय।

Result Mitra

ICMR के बारे में

- ICMR ने क्लिनिकल ट्रायल्स रजिस्ट्री – इंडिया (CTRI) की मेजबानी की है, जिसे 20 जुलाई 2007 को स्थापित किया गया था।
- CTRI एक मुफ्त और ऑनलाइन सार्वजनिक रिकॉर्ड प्रणाली है, जहाँ भारत में किए जा रहे क्लिनिकल ट्रायल्स का पंजीकरण होता है।
- ICMR की संचालन निकाय की अध्यक्षता भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री करते हैं।

ICMR के बारे में

विजन:

- स्वास्थ्य सुधार के लिए अनुसंधान को कार्यान्वयन में बदलना।

मिशन:

- नए ज्ञान का सृजन, प्रबंधन और प्रसार।
- वंचित और कमजोर वर्गों की स्वास्थ्य समस्याओं पर अधिक शोध।

icmr
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

ICMR के बारे में

मिशन:

- आधुनिक जैविक उपकरणों के माध्यम से स्वास्थ्य चिंताओं का समाधान।
- निदान, उपचार, रोकथाम के लिए नवाचार और अनुवाद को प्रोत्साहन।
- अकादमिक संस्थानों, विशेषकर मेडिकल कॉलेजों में अनुसंधान संस्कृति विकसित करना

icmr
INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

Result Mitra

सेमेरू पर्वत

Result Mitra

सेमेरू पर्वत

- सुमेरू पर्वत, जो इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत में स्थित है, में विस्फोट हुआ, जिसके बाद वोल्कैनोलॉजी और भूवैज्ञानिक खतरा शमन केंद्र ने विमानन चेतावनी जारी की।
- एक घना सफेद-भूरा राख का स्तंभ 1,000 मीटर ऊंचाई तक आसमान में उठता हुआ देखा गया, जो क्रेटर से उत्तर-पूर्व की दिशा में फैला।

Result Mitra

सेमेरू पर्वत

प्रमुख बिंदु:

- अधिकारियों ने विमानन चेतावनी का दूसरा उच्चतम स्तर, ऑरेंज वोल्कैनो ऑब्जर्वेटरी नोटिस फॉर एविएशन जारी किया, और पर्वत के पांच किलोमीटर के दायरे में उड़ानों पर रोक लगाई।
- पर्वत के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में आठ किलोमीटर तक के दायरे को खतरे का क्षेत्र घोषित किया गया है।

Result Mitra

सेमेरू पर्वत

प्रमुख बिंदु:

- इन क्षेत्रों के बाहर, अधिकारियों ने पर्वत की ढलानों से निकलने वाली नदियों के 500 मीटर के दायरे में किसी भी गतिविधि पर रोक लगा दी है, क्योंकि लावा बहाव और गर्म बादल 13 किलोमीटर तक फैल सकते हैं।
- सुमेरू पर्वत, जो 3,676 मीटर ऊंचा है, इंडोनेशिया के 127 सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है।

सुमेरु ज्वालामुखी के बारे में

- सुमेरु, जिसे "महान पर्वत" के नाम से भी जाना जाता है, जावा का सबसे ऊँचा और सक्रिय ज्वालामुखी है।
- इसका आखिरी विस्फोट जून 2023 में हुआ था।
- सुमेरु एक स्ट्रैटोवोल्कैनो है, जो ठोस लावा, कठोर राख, और ज्वालामुखीय चट्टानों की परतों से बना है।
- सुमेरु, जिसे महामेरु भी कहा जाता है, पिछले 200 वर्षों में कई बार विस्फोटित हो चुका है।

सुमेरु ज्वालामुखी के बारे में

- इंडोनेशिया, जो दुनिया में सबसे अधिक सक्रिय ज्वालामुखियों वाला देश है, अपने महासागरीय "रिंग ऑफ फायर" पर स्थित होने के कारण भूकंपीय गतिविधियों के प्रति संवेदनशील है।

सबसे अधिक सक्रिय ज्वालामुखी वाला देश इंडोनेशिया

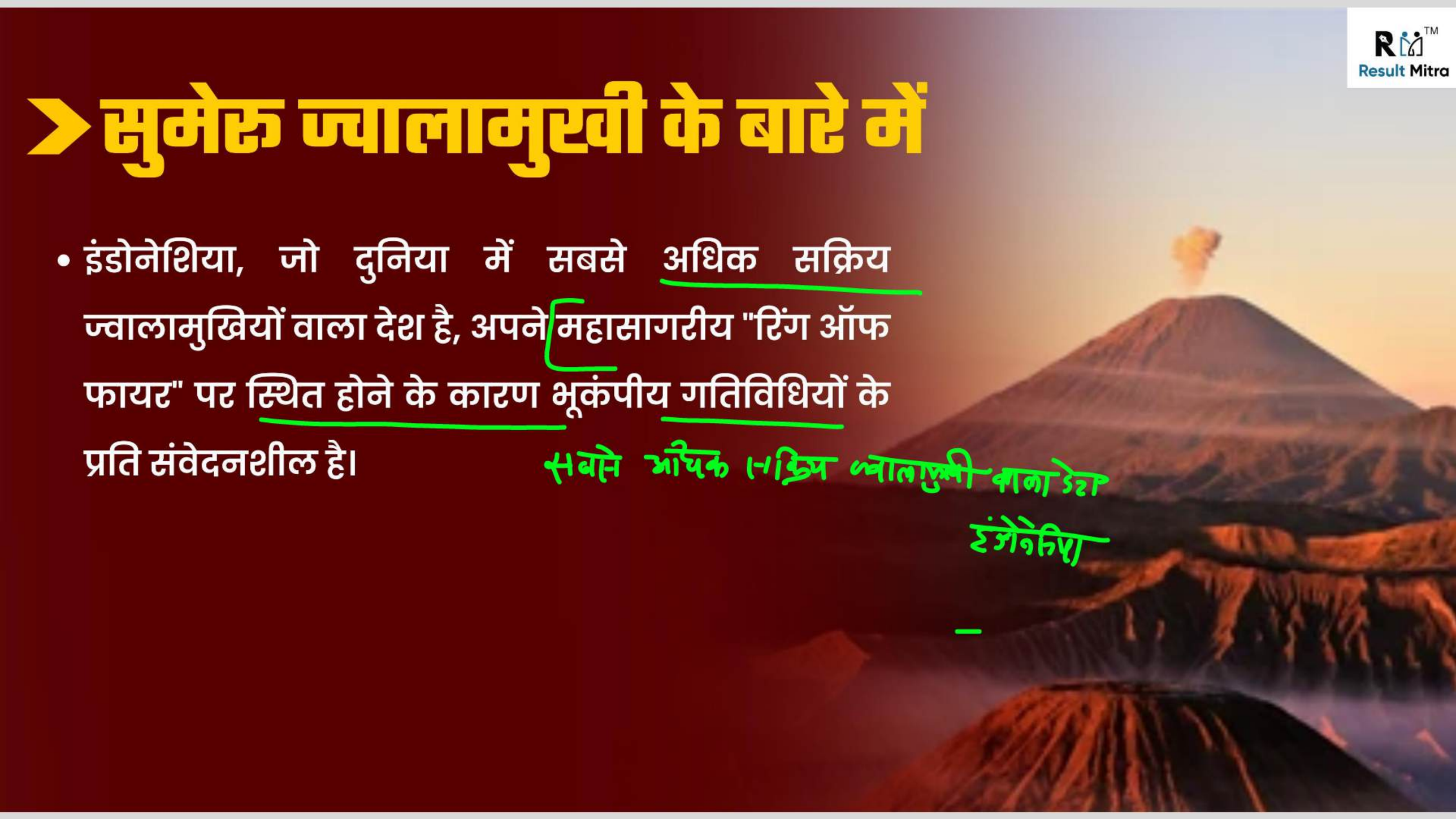

सुमेरू ज्वालामुखी के बारे में

- सुमेरू ज्वालामुखी, इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट के सुंडा प्लेट के नीचे स्थित सबडक्शन के कारण उत्पन्न द्वीप श्रृंखलाओं का हिस्सा है। यहाँ पर जो खाई विकसित हुई है, उसे सुंडा ट्रेंच और उसका मुख्य भाग जावा ट्रेंच कहा जाता है।

इंडोनेशिया

- 270 मिलियन की आबादी वाला यह द्वीपसमूह, जो प्रशांत "रिंग ऑफ फायर" के साथ स्थित है, पृथ्वी के सबसे अधिक आपदा-प्रवण देशों में से एक है।

इंडोनेशिया

प्रशांत "रिंग ऑफ फायर"

- यह सैकड़ों ज्वालामुखियों और भूकंपीय स्थलों की एक श्रृंखला है जो प्रशांत महासागर के चारों ओर फैली हुई है। यह अर्धवृत्त या घोड़े की नाल के आकार में है और लगभग 40,250 किलोमीटर तक फैला हुआ है।

इंडोनेशिया

प्रशांत "रिंग ऑफ फायर"

- यह विभिन्न टेक्टोनिक प्लेटों के मिलन बिंदुओं को दर्शाता है, जिनमें यूरेशियन, नॉर्थ अमेरिकन, जुआन डे फुका, कोकोस, कैरेबियन, नाज़का, अंटार्कटिक, इंडियन, ऑस्ट्रेलियाई, फिलीपींस और अन्य छोटी प्लेटें शामिल हैं, जो सभी विशाल प्रशांत प्लेट को घेरती हैं।
- यह 15 देशों से होकर गुजरता है, जिनमें अमेरिका, इंडोनेशिया, मेक्सिको, जापान, कनाडा, ग्वाटेमाला, रूस, चिली, पेरू, और फिलीपींस शामिल हैं।

इंडोनेशिया

यह भूकंपों के लिए अधिक संवेदनशील क्यों है?

- यह जगह लगातार टेक्टोनिक प्लेटों के आपस में टकराने, एक-दूसरे के ऊपर-नीचे या एक-दूसरे के पास से गुजरने की वजह से बहुत अधिक भूकंपों का अनुभव करती है। प्लेटों के किनारे खुरदरे होते हैं, जिससे वे आपस में अटक जाते हैं, जबकि बाकी प्लेट चलते रहते हैं।
- भूकंप तब होता है जब प्लेट काफी दूर तक बढ़ जाती है और उसके किनारे एक दोष पर अटकने से मुक्त हो जाते हैं।

Result Mitra

इंडोनेशिया

यह भूकंपों के लिए अधिक संवेदनशील क्यों है?

- रिंग ऑफ फायर में कई ज्वालामुखी हैं, जो टेक्टोनिक प्लेटों के आंदोलन के कारण बने हैं। इनमें से अधिकांश ज्वालामुखी सबडक्शन की प्रक्रिया से बने हैं।
- सबडक्शन तब होता है जब दो प्लेटें आपस में टकराती हैं और भारी प्लेट एक दूसरी के नीचे धकेल दी जाती है, जिससे एक गहरी खाई बनती है।

Result Mitra

इंडोनेशिया

यह भूकंपों के लिए अधिक संवेदनशील क्यों है?

- ग्रह पर अधिकांश सबडक्शन क्षेत्र रिंग ऑफ फायर में स्थित हैं, और यही कारण है कि यहाँ बहुत सारे ज्वालामुखी हैं।
- ज्वालामुखी: पृथ्वी की पर्पटी में एक छिद्र है, जिससे विस्फोट के दौरान गैसें, लावा, राख, और भाप बाहर निकलती हैं।
- यह छिद्र उन हिस्सों में होते हैं जहां चट्टानी स्तर कमजोर होते हैं।
- ज्वालामुखी गतिविधि: अंतर्जात प्रक्रिया का उदाहरण।

Result Mitra

इंडोनेशिया

यह भूकंपों के लिए अधिक संवेदनशील क्यों है?

विस्फोटक प्रकृति के आधार पर, विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियाँ बन सकती हैं:

- पठार: यदि ज्वालामुखी विस्फोटक नहीं है।
- पहाड़: यदि ज्वालामुखी विस्फोटक है।
- अंतर्वेधी भू-आकृतियाँ: बैकोलिथ, लैकोलिथ आदि।

Result Mitra

ज्वालामुखियों के विभिन्न प्रकार

विस्फोटों की आवृत्ति के आधार पर:

- सक्रिय ज्वालामुखी: ये अक्सर विस्फोट करते हैं और ज्यादातर प्रशांत रिंग ऑफ फायर में स्थित होते हैं, जैसे न्यूज़ीलैंड, दक्षिण-पूर्वी एशिया, जापान और अमेरिका के पश्चिमी तट पर। उदाहरण: हवाई का किलाऊआ और ग्वाटेमाला का सैंटा मारिया।

ज्वालामुखियों के विभिन्न प्रकार

विस्फोटों की आवृत्ति के आधार पर:

- सुप्त ज्वालामुखी: ये ज्वालामुखी इतिहास में विस्फोट नहीं करते, लेकिन भविष्य में इनका विस्फोट हो सकता है। उदाहरण: तंजानिया में स्थित माउंट किलिमंजारो।
- निष्क्रिय ज्वालामुखी: ये बहुत समय से सक्रिय नहीं रहे हैं। उदाहरण: गुजरात का धिनोधर हिल।

ज्वालामुखियों के विभिन्न प्रकार

विस्फोट के स्वभाव के आधार पर:

- शील्ड ज्वालामुखी: ये पृथ्वी के सबसे बड़े और सबसे कम विस्फोटक ज्वालामुखी होते हैं, जो मुख्य रूप से बेसाल्ट लावा से बने होते हैं। उदाहरण: हवाई के ज्वालामुखी।

ज्वालामुखियों के विभिन्न प्रकार

विस्फोट के स्वभाव के आधार पर:

- संयोजन ज्वालामुखी: ये ठंडे और मोटे लावा से विस्फोट करते हैं। इनका निर्माण समय के साथ कई विस्फोटों से होता है, जिसमें राख और पाइरोक्लास्टिक सामग्री के साथ लावा का प्रवाह होता है। उदाहरण: मयोन वोल्कैनो (फिलीपीन्स), माउंट फुजी (जापान), माउंट रेनियर (वाशिंगटन)।

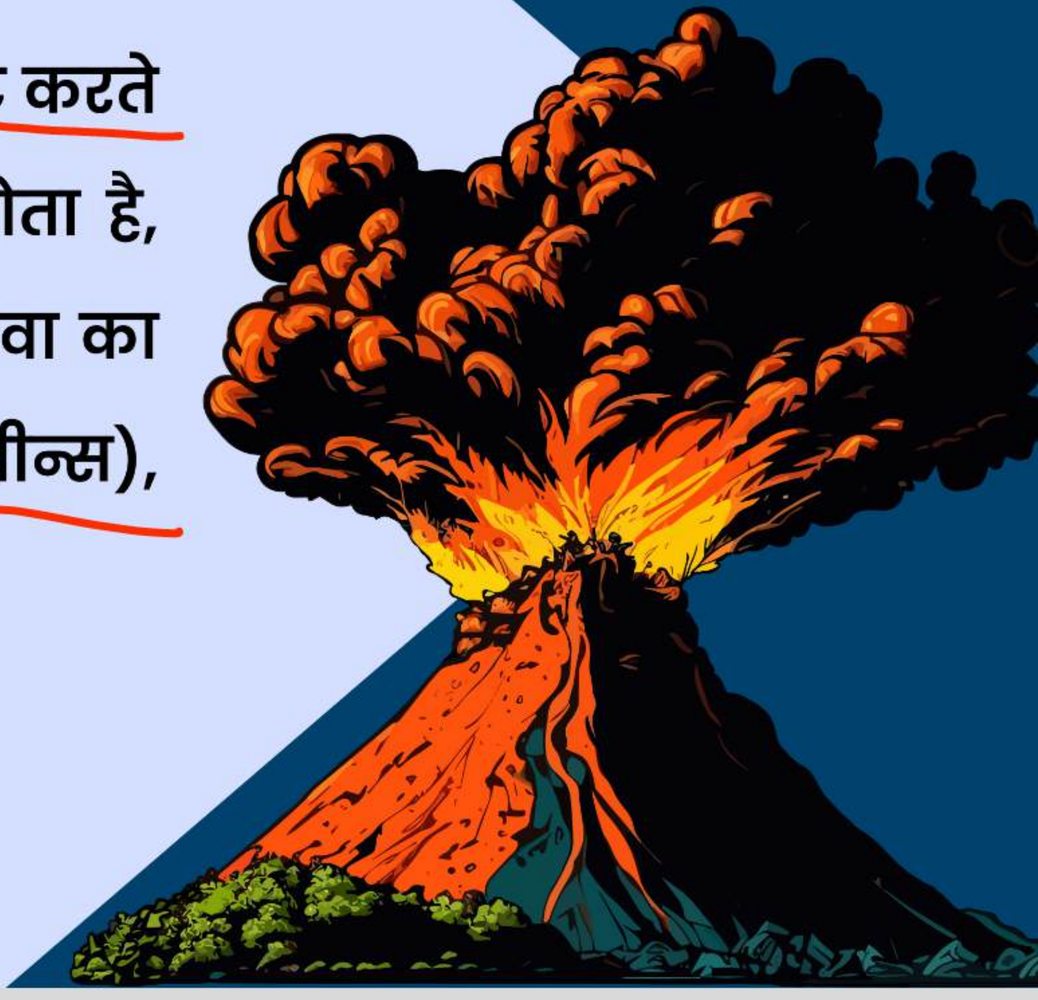

ज्वालामुखियों के विभिन्न प्रकार

विस्फोट के स्वभाव के आधार पर:

- काल्डेरा: ये सबसे अधिक विस्फोटक होते हैं और विस्फोटों के दौरान अंदर की ओर ढहने की संभावना अधिक होती है। परिणामस्वरूप बनी गहरी खाइयों को काल्डेरा कहा जाता है।
- बाढ़ बेसाल्ट क्षेत्र: ये ज्वालामुखी अत्यधिक तरल लावा का विस्फोट करते हैं, जो लंबी दूरी तक फैलता है और विशाल क्षेत्रों को कवर करता है।

ज्वालामुखियों के विभिन्न प्रकार

विस्फोट के स्वभाव के आधार पर:

- मध्य महासागर रेखा ज्वालामुखी: ये समुद्र के नीचे स्थित होते हैं और मध्य महासागर रेखा प्रणाली के साथ स्थित होते हैं, जो 65,000 किलोमीटर से अधिक फैलती है।

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

चर्चा में क्यों?

- जॉर्जिया के गुडाउरी में एक भारतीय रेस्तरां के 11 कर्मचारियों की कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता से मृत्यु हो गई। भारतीय मिशन मृतकों के शवों की प्रत्यर्पण प्रक्रिया में मदद कर रहा है, और पुलिस ने लापरवाही से हत्या की जांच शुरू की है।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

प्रमुख बिंदु:

- 16 दिसंबर 2024 को, जॉर्जिया के गुडाउरी में एक रेस्तरां में 11 भारतीय नागरिक मृत पाए गए।
- जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हिंसा या चोट के कोई संकेत नहीं मिले। सभी की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता से हुई।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय मिशन ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।
- जॉर्जिया के आंतरिक मामलों मंत्रालय ने कहा कि 11 मृतक विदेशी थे और एक नागरिक था।
- पुलिस ने जॉर्जिया की आपराधिक संहिता की धारा 116 (लापरवाही से हत्या) के तहत जांच शुरू की।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

प्रमुख बिंदु:

- प्रारंभिक जांच में पता चला कि एक पावर जनरेटर बेडरूम के पास बंद स्थान पर रखा गया था और शुक्रवार रात (13 दिसंबर 2024) बिजली आपूर्ति बंद होने के बाद इसे चालू किया गया था।
- कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) तब बनता है जब कार्बन अपूर्ण रूप से तरल, ठोस या गैसीय ईंधनों में जलता है।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

प्रमुख बिंदु:

- इसे प्राकृतिक गैस से हाइड्रोकार्बन गैसों के आंशिक ऑक्सीकरण या कोयले और कोक के गैसीकरण से औद्योगिक स्तर पर बनाया जाता है।
- CO के प्रमुख स्रोतों में ऑटोमोबाइल के निष्कर्षण गैसें, इंजन के धुएं, आग का धुआं और गैर-इलेक्ट्रिक हीटर शामिल हैं।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

प्रमुख बिंदु:

- कार्बन मोनोऑक्साइड एक रंगहीन, गंधहीन गैस है जो गैसोलीन, डीजल, लकड़ी, और प्राकृतिक एवं मानव निर्मित चीजों जैसे सिगरेट के जलने से बनती है।
- CO शहरी क्षेत्रों में समस्या है क्योंकि यह फोटोकैमिकल स्मॉग और सतह पर ओजोन उत्पादन में सहक्रियात्मक प्रभाव डालता है।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

प्रमुख बिंदु:

- ओजोन की सांद्रता, भले ही मध्यम स्तर की हो, श्वसन प्रणाली पर असर डालती है।
- कार्बन मोनोऑक्साइड ऑक्सीजन की उपस्थिति में नीली लौ के साथ जलने पर कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न करता है।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) क्यों हानिकारक प्रदूषक है?

- CO रक्त में हीमोग्लोबिन से जुड़कर ऑक्सीजन परिवहन क्षमता को सीमित करता है।
- CO का हीमोग्लोबिन से 200 गुना अधिक आकर्षण होता है।
- CO, रक्त हीमोग्लोबिन से कार्बोक्सीहीमोग्लोबिन बनाता है, जो स्थिर होता है।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) क्यों हानिकारक प्रदूषक है?

- 50 पीपीएम पर 8 घंटे में 7.5% हीमोग्लोबिन कार्बोक्सीहीमोग्लोबिन में बदल जाता है।
- यह ऑक्सीजन आपूर्ति में रुकावट डालता है, जिससे सिरदर्द, धुंधली दृष्टि, हृदय रोग और हाइपोक्सिया हो सकते हैं।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) क्यों हानिकारक प्रदूषक है?

समुद्र का तापमान

- CO वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की संख्या बढ़ाता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापन से जुड़ा है।
- इससे भूमि और समुद्र का तापमान बढ़ सकता है, पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव हो सकते हैं, और चरम मौसम घटनाएं हो सकती हैं।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता

- यह तब होती है जब रक्तप्रवाह में CO का अत्यधिक निर्माण होता है।
- CO रक्त कणिकाओं में ऑक्सीजन की जगह लेता है, जिससे महत्वपूर्ण ऊतक क्षति या मृत्यु हो सकती है।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता

- कारण: CO के प्रमुख स्रोतों में वाहन के निष्कर्षण गैस, इंजन धुंआ, आग का धुआं और गैर-इलेक्ट्रिक हीटर शामिल हैं।
- लक्षण: सिरदर्द, चक्कर, कमजोरी, उलटी, सीने में दर्द, और भ्रम CO विषाक्तता के सामान्य लक्षण हैं।

Result Mitra

जॉर्जिया में संकट भारतीयों की मृत्यु और कैवेलशविली की राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति

रोकथाम:

- जहाँ ट्रैफिक या उत्पादन अधिक हो, वहाँ पर्याप्त वेंटिलेशन की आवश्यकता होती है।
- CO डिटेक्टर का उपयोग किया जाना चाहिए और इसे CO स्रोत के पास रखा जाना चाहिए।
- केरोसिन या गैस स्पेस हीटर के पास सोना मना है।
- CO विषाक्तता के लक्षणों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

जॉर्जिया के मिखाइल कावेलाश्विली को नया राष्ट्रपति चुना गया

- जॉर्जिया ने मिखाइल कावेलाश्विली को राष्ट्रपति चुना, जबकि रूस के साथ नजदीकी संबंधों को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।
- कावेलाश्विली एक पूर्व फुटबॉलर और सत्तारूढ़ पार्टी जॉर्जियाई ड्रीम के सांसद हैं।
- राष्ट्रपति का चुनाव अब 300 सदस्यीय चुनावी कॉलेज द्वारा हुआ, न कि सीधे मतदान से।

जॉर्जिया के मिखाइल कावेलाश्विली को नया राष्ट्रपति चुना गया

- कावेलाश्विली 29 दिसंबर को शपथ लेंगे और वे सलोमे जौरबिचविली की जगह लेंगे।
- जौरबिचविली ने जॉर्जियाई ड्रीम द्वारा जीते संसदीय चुनावों को अवैध बताया था।
- जौरबिचविली ने विरोध प्रदर्शनों का समर्थन करते हुए यूरोपीय संघ और नाटो में शामिल होने की कोशिश जारी रखने का पक्ष लिया था।

Result Mitra

जॉर्जिया के बारे में:

- जॉर्जिया, एक ट्रांसकॉकसिया देश है, जो काले सागर के पूर्वी छोर पर और ग्रेटर कॉकसस पर्वतों के मुख्य शिखर के दक्षिणी ढलानों पर स्थित है।
- यह उत्तर और उत्तर-पूर्व में रूस, पूर्व और दक्षिण-पूर्व में अज़रबैजान, दक्षिण में आर्मेनिया और तुर्की, और पश्चिम में काले सागर से घिरा हुआ है।

जॉर्जिया के बारे में:

- जॉर्जिया में तीन जातीय स्वायत्त क्षेत्र हैं: अबखाजिया (मुख्य शहर सोखुमी), अजेरिया (मुख्य शहर बाटुमी) और दक्षिण ओसेटिया (मुख्य शहर त्सखिनवाली)।
- जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी है।
- जॉर्जियाई लोगों की जड़ें इतिहास में गहरी हैं और उनकी सांस्कृतिक धरोहर भी प्राचीन और समृद्ध है।

जॉर्जिया के बारे में:

- मध्यकालीन काल में जॉर्जिया का एक शक्तिशाली राज्य था, जो 10वीं से 13वीं सदी के बीच अपने चरम पर था।
- तुर्की और फारसी प्रभुत्व के लंबे दौर के बाद, 19वीं सदी में जॉर्जिया को रूसी साम्राज्य द्वारा अधिगृहीत किया गया।
- 1918 से 1921 तक जॉर्जिया का एक स्वतंत्र राज्य था, लेकिन फिर यह सोवियत संघ में शामिल हो गया।

जॉर्जिया के बारे में:

- 1936 में जॉर्जिया एक संघीय गणराज्य बन गया और सोवियत संघ के विघटन तक इसी रूप में रहा।
- सोवियत काल में जॉर्जिया की अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण और विविधीकरण हुआ।
- 1989 में जॉर्जिया ने संप्रभुता की घोषणा की और 1991 में स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1990 के दशक में जॉर्जिया में अस्थिरता और आंतरिक अशांति का दौर था, जब पहले स्वतंत्रता के बाद सरकार गिर गई और दक्षिण ओसेटिया और अबखाजिया में पृथकवाद आंदोलन शुरू हुए।

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

- पद्म पुरस्कार से सम्मानित और प्रसिद्ध वृक्षारोपणकर्ता तुलसी गौड़ा का उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला तालुक के होन्नाली गांव में निधन हो गया। वह 86 वर्ष की थीं।
- तुलसी गौड़ा को बीजों को सही गहराई में लगाने और मिट्टी, रेत व उर्वरकों के सही मिश्रण का ज्ञान था। उनके द्वारा उगाए गए पौधों की वृद्धि अन्य नर्सरी के पौधों की तुलना में बेहतर होती थी।

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

प्रमुख बिंदु:

- पर्यावरणविद् दिनेश होला ने तुलसी गौड़ा के पौधों और जंगलों के अपार ज्ञान की प्रशंसा की। उनका कहना था कि वह केवल पौधे लगाने में नहीं, बल्कि उनकी देखभाल और पोषण में भी माहिर थीं।
- तुलसी गौड़ा का प्रसिद्ध कथन था: "महत्व यह नहीं रखता कि आपने कितने पौधे लगाए हैं, बल्कि यह मायने रखता है कि आपने उनकी कितनी देखभाल की है।"

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

प्रमुख बिंदु:

- तुलसी गौड़ा पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ थीं और लकवे की वजह से बिस्तर पर थीं।
- तुलसी गौड़ा ने कम उम्र में ही वन विभाग की नर्सरी में काम करना शुरू कर दिया था और पौधों को उगाने में गहरी रुचि विकसित की।

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

प्रमुख बिंदु:

- उन्होंने अंकोला और आसपास के क्षेत्रों में हजारों पेड़ लगाए, जो वर्षों में विशाल वृक्ष बन गए।
- उन्हें पद्म श्री और इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्ष मित्र पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था।

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

पौधों का विश्वकोश

प्रमुख बिंदु:

- तुलसी गौड़ा को "पौधों का विश्वकोश" कहा जाता था और वह उत्तर कन्नड़ की हलक्की समुदाय से थीं।
- कर्नाटक वन विभाग ने उनकी विशेष प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी कार्य जारी रखने की अनुमति दी थी।

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

हलक्की समुदाय के बारे में

- हलाक्की वोक्कालिगा, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ ज़िले में रहने वाली एक स्वदेशी जनजाति है. पश्चिमी घाट की तलहटी में बसे इस समुदाय को 'उत्तर कन्नड़ का आदिवासी' भी कहा जाता है।
- हलाक्की वोक्कालिगा समुदाय की महिलाएं सारोंग की तरह बंधी हुई साड़ी पहनती हैं।

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

हलक्की समुदाय के बारे में

- हलाक्की महिलाएं अपने पहनावे से पहचानी जाती हैं. कांच और धातु की चूड़ियां, ढेर और मोतियों से बने हार उनके अनोखे रूप के प्रतीक हैं।
- हलाक्की कन्नड़ की एक अलग बोली बोलते हैं जिसे अच्चगन्नाडा कहा जाता है।

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

हलक्की समुदाय के बारे में

- हलाक्की समुदाय की उत्पत्ति के बारे में सबसे प्रचलित मिथक शिव और पार्वती से जुड़ा है।
- हलाक्की समुदाय की महिलाओं की भूमिकाओं में खेती और गांव की अर्थव्यवस्था में मदद करना, साथ ही समुदाय को एक साथ रखना शामिल है।

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

हलक्की समुदाय के बारे में

- इस समुदाय का पारंपरिक भोजन मुख्य रूप से अनाज, सब्जियां, फल और दूध से बना होता है।
- हलक्की आदिवासी समाज में महिलाएं भी प्रमुख भूमिका निभाती हैं, खासकर पारंपरिक कृषि कार्यों में।

Result Mitra

वृक्ष माता तुलसी गौड़ा का निधन

हलक्की समुदाय के बारे में

- हलक्की आदिवासी समुदाय को कर्नाटक सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- उनका सामाजिक संगठन साधारण और सामूहिक होता है, जिसमें परिवार और गांव की सामाजिक संरचनाएं मजबूत होती हैं।

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

चर्चा में क्यों ?

- सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश प्रशासन के खिलाफ एक अवमानना याचिका दायर की गई है, जिसमें गाजियाबाद में प्रस्तावित 'धर्म संसद' पर पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठाया गया है।
- याचिका में आरोप लगाया गया है कि इस आयोजन में 'मुसलमानों के नरसंहार' का आह्वान किया जा रहा है।

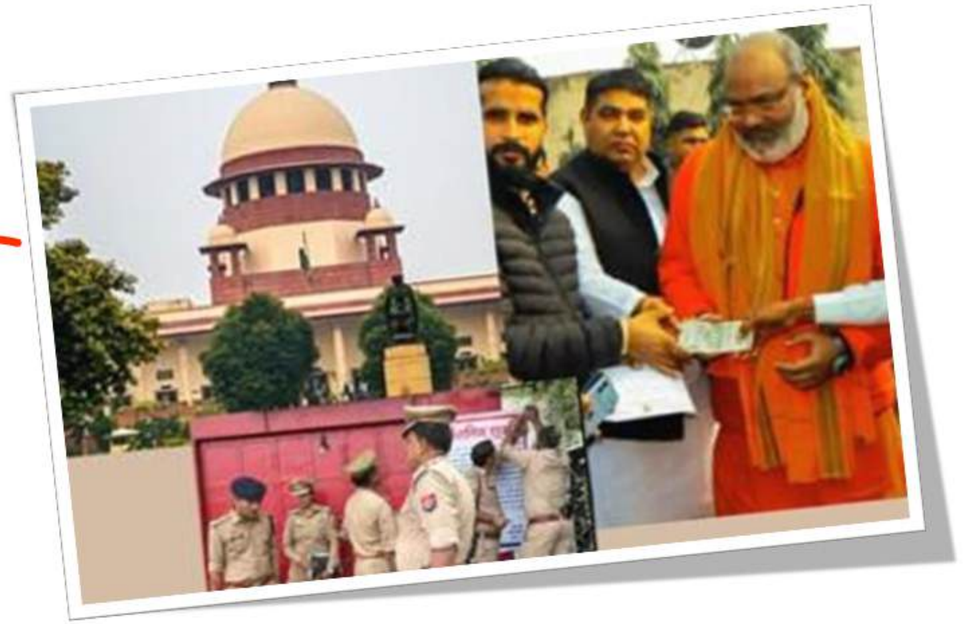

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

चर्चा में क्यों ?

- सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार शामिल हैं, के समक्ष याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग की गई।

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

चर्चा में क्यों ?

- याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने अदालत को बताया कि यह कार्यक्रम मंगलवार, 17 दिसंबर से शुरू होने वाला है और इस पर तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है।
- मुख्य न्यायाधीश ने मामले पर विचार करने और याचिकाकर्ताओं से ईमेल के माध्यम से औपचारिक अनुरोध भेजने को कहा।

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

क्या है मामला?

- आयोजन: यह 'धर्म संसद' गाजियाबाद के डासना स्थित शिव-शक्ति मंदिर परिसर में 17 से 21 दिसंबर तक आयोजित होने का प्रस्ताव है।
- आयोजक: कार्यक्रम का आयोजन यति नरसिंहा फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है।

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

क्या है मामला?

- आरोप: याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आयोजन में सांप्रदायिक उकसावे और घृणास्पद भाषणों की संभावना है, जो मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा दे सकता है।

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

अवमानना का आरोप

- याचिका में गाजियाबाद जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश पुलिस पर सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना का आरोप लगाया गया है।
- शीर्ष अदालत ने पहले सभी अधिकारियों को सांप्रदायिक घृणा और घृणास्पद भाषणों के मामलों में स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

सुप्रीम कोर्ट का रुख

- सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को समझते हुए इसे तत्काल सुनवाई के लिए विचार करने का संकेत दिया है।
- यह देखना बाकी है कि कार्यक्रम पर रोक लगाने या प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

धर्म संसद: एक परिचय

- धर्म संसद का अर्थ है एक ऐसा मंच जहां साधु-संत धर्म से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हैं।
- इसकी अवधारणा एक खुली चर्चा के रूप में है, जहां धर्म के विस्तार, कुरीतियों को समाप्त करने, और समाज में धार्मिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर चर्चा की जाती है।

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

धर्म संसद: एक परिचय

इतिहास और पृष्ठभूमि

- धर्म संसद का सबसे प्रेरणादायक चेहरा स्वामी विवेकानंद हैं, जिन्होंने 1893 में शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में अपने ऐतिहासिक भाषण से दुनिया का दिल जीता। लेकिन भारत में आधुनिक धर्म ससद की शुरुआत 1980 के दशक में हुई।

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

धर्म संसद: एक परिचय

पहली धर्म संसद

- वर्ष: 1984
- आयोजन स्थल: विज्ञान भवन, दिल्ली
- आयोजक: विश्व हिंदू परिषद (VHP)

Result Mitra

विश्व धर्म संसद का मामला: सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका

धर्म संसद: एक परिचय

- महत्व: इस धर्म संसद में रामजन्मभूमि आंदोलन की शुरुआत का फैसला हुआ, जो भारतीय राजनीति और समाज में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ।
- इसके बाद 1985 में उडुपी में हुई धर्म संसद में आठ प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें से एक महत्वपूर्ण मांग थी:
- रामजन्मभूमि, कृष्णजन्मस्थान और काशी विश्वनाथ परिसर हिंदू समाज को सौंपा जाए।

Result Mitra

Thank You